INTER DIET CULTURAL MEET

डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं का राज्यस्तरीय सांस्कृतिक समागम/प्रतियोगिता

उमंग 2023

दिनांक– 22 एवं 23 नवम्बर 2023

आयोजक– जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागेश्वर।

वर्ष 2023–24 में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागेश्वर के वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट द्वारा स्वीकृत द्वि वर्षीय डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं (द्वितीय सेमेस्टर, प्रवेश वर्ष– 2020–21) हेतु राज्य स्तरीय Inter DIET Cultural meet का आयोजन 22 एवं 23 नवम्बर 2023 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागेश्वर में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य– द्वि वर्षीय डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में उल्लेखित है कि सृजनात्मक नाट्य कला, कला, संगीत, हस्तशिल्प, खेल तथा स्वास्थ्य शिक्षा का समन्वय प्रशिक्षण में उसी तरह किया जाए, जिस तरह उसे प्राथमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम में होना चाहिए। इससे प्रशिक्षुओं को यह समझने में मदद मिलती है कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया संज्ञानात्मक सीमाओं में नहीं बंधी होती है, बल्कि वे समग्र परिवेश से चीजों को सीखते–समझते हैं। साथ ही प्रशिक्षुओं में नाट्य, संगीत, नृत्य, रोल–प्ले आदि कौशलों का विकास किया जाये।

विद्यालयी शिक्षा में, विशेष रूप से प्रारंभिक शिक्षा में लोक संगीत, लोक नृत्य, नाटिकाओं, बाल गीतों, लोककथाओं का विशेष महत्व है, इनके माध्यम से एक ओर विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास होता है तो दूसरी तरफ विद्यालय के विभिन्न आयोजनों के माध्यम से सौन्दर्य का विस्तार होता है।

प्रारंभिक शिक्षा के शिक्षकों को उपरोक्त विधाओं में पारंगत होने और रूचि होने से वे छोटी कक्षाओं के छात्र–छात्राओं से आसानी से घुल–मिल सकते हैं और विषय वस्तु के प्रति उनमें रूचि जाग्रत कर सकते हैं और अपने सामाजिक परिवेश के प्रति व लोक समाज के प्रति तादाम्य स्थापित कर संवेदनशील हो इन गतिविधियों के माध्यम से संस्कृति का संवर्धन, संरक्षण और प्रसार कर सकते हैं।

एन.ई.पी. 2023 के भाग 3, अध्याय 22 में सभी स्कूली स्तरों पर स्थानीय संगीत कला, भाषा और हस्तकौशल को बल देने तथा प्रोत्साहित करने तथा संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार करने पर विशेष बल दिया गया है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से भावी प्रारंभिक शिक्षकों में उपरोक्त गतिविधियों के प्रति रूचि जागृत कर एवं उक्त के प्रति सौन्दर्यानुभूति एवं व्यक्तित्व विकास कर पारंगत करना तथा इन विषयों की महत्ता से अवगत कराना है।

गतिविधियों का विवरण– द्वि दिवसिय कार्यक्रम ।

क्रम संख्या	गतिविधि	अधिकतम समय	अधिकतम प्रतिभागी
01	लोक गीत प्रस्तुति लोक वाद्य के साथ (केवल उत्तराखण्ड के लोक गीत जिनमें उत्तराखण्ड की संस्कृति, परंपरा, संस्कार, संर्घष, प्रकृति प्रेम, सामूहिकता का भाव हो) प्रतिभागी हारमोनियम, तबला, ढोलक, हुड़का, ढोल दमुआ, मसकबीन जैसे वाद्य यंत्रों का प्रयोग कर सकते हैं	05 मिनट	02
02	(अ)नृत्य नाटिका (पौराणिक संदर्भ जैसे राधा–कृष्ण, शिव–पार्वती, सीता स्वयंवर, कालिया दमन, रामायण, महाभारत के प्रसंग आदि) अथवा (ब)उत्तराखण्ड का पारंपरिक लोक नृत्य	07 मिनट	02 या 03
03	बाल गीत/बाल कविता की हाव भाव सहित प्रस्तुति	04 मिनट	01

04	सी.सी.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय भाषाओं में संकलित समूह गीत पुस्तिका से किसी एक गीत का सामूहिक प्रस्तुतिकरण (हिन्दी भाषा का छोड़कर)	04 मिनट	उपरोक्त तीन विधाओं में सम्मिलित प्रतिभागियों का सामूहिक प्रस्तुतिकरण

(नोट– टीम में अधिकतम विद्यार्थियों की संख्या 06 तथा मार्गदर्शक शिक्षक की संख्या 02)

कार्यक्रम का विस्तृत विवरण

कार्यक्रम में 07 डायट्स के 42 प्रतिभागी प्रशिक्षु तथा उनके 14 मेंटर का आगमन 21 नवम्बर 2023 के अपराहन से प्रारंभ हो गया तथा सायं तक सभी प्रतिभागी उपस्थित हो चुके थे।

दोनों दिवसों में कार्यक्रम में निम्नांकित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथी– मा0 विधायक बागेश्वर श्रीमती पार्वती दास जी

विशिष्ठ अतिथी– मा0 उपाध्यक्ष, राज्य स्तरीय अनुश्रवण परिषद्, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, उत्तराखण्ड

विशिष्ठ अतिथी– श्री दीवान कनवाल, प्रसिद्व लोक गायक , रंग कर्मी, सांस्कृतिक कर्मी अल्मोड़ा।

निर्णायक – श्री रतन सिंह किरमोलिया, श्रीमती नेहा बघरी, श्री राजेन्द्र प्रसाद।

अन्य अतिथी– मुख्य शिक्षा अधिकारी बागेश्वर श्री गजेन्द्र सिंह सौन, श्री किशन सिंह मलड़ा, पर्यावरणविद्, श्री रमेश पर्वतीय, श्री के.सी. मिश्रा प्रान्तीय अध्यक्ष कृषि कर्मचारी संगठन, श्री दीप चन्द्र जोशी सामाजिक कार्यकर्ता, डायट भीमताल से आरती जैन, डॉ शैलेन्द्र धपोला, डॉ प्रेम सिंह मावड़ी, डॉ सुमित पांडे, अल्मोड़ा से श्री बनकोटी, चम्पावत से डॉ दिनेश खेतवाल, श्री शिवराज सिंह तड़ागी, श्री मनोज भाकुनी , डायट डीडीहाट से श्री विनोद बसेड़ा, उधमसिंहनगर से डॉ अजन्ता बिष्ट, देहरादून से श्री अनिल डोभाल श्री गुप्ता जी, डॉ राजीव जोशी, श्री कैलाश प्रकाश चंदोला डॉ सीएम जोशी, डॉ केएस रावत, डा संदीप कुमार जोशी, डॉ हरीश जोशी, डॉ भैरव दत्त पांडे, डॉ मनोज चौहान शहर के गणमान्य व्यक्तियों में श्री दलीप सिंह खेतवाल उद्योगपति एवं व्यवसायी, श्री इन्द्र सिंह परिहार वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष, श्री गोविंद भंडारी वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री चरण सिह बघरी सेवानिवृत शिक्षक तथा शहर के 50 से भी अधिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रथम दिवस में दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन सत्र में सभी अतिथियों का स्वागत भारतीय तौर तरीकों से किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के लक्ष्यों और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के औपचारिक उद्घाटन हुआ और मुख्य अतिथियों द्वारा अपने –अपने विचार रखे गये।। पूरे दिन भर चले कार्यक्रमों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का मन मोह लिया। दूसरे दिवस भी उस दिन के मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया और पहले दिवस के अवशेष कार्यक्रमों को संम्पादित कराया गया। निर्णायकों द्वारा निर्णय पश्चात अपनी भी प्रस्तुतियों देकर सभी प्रतिभागियों का ज्ञान वर्धन किया गया। समापन पर मुख्य अतिथियों द्वारा पुरष्कार वितरण कर कार्यक्रम को समापन की ओर ले जाया गया।

क्रम संख्या	विधा का नाम	विधा में प्रथम स्थान	विधा में द्वितीय स्थान	विधा में तृतीय स्थान
01	लोक गीत गायन	भीमताल डायट	बागेश्वर डायट	अल्मोड़ा डायट
02	नृत्य नाटिका	बागेश्वर डायट	अल्मोड़ा डायट	भीमताल डायट
03	लोक नृत्य	डायट देहरादून	डायट उधमसिंह नगर	डायट डीडीहाट
04	बाल गीत	डायट बागेश्वर	डायट देहरादून	डायट डीडीहाट
05	समूह गीत	डायट भीमताल एवं चम्पावत संयुक्त रूप से	डायट देहरादून एवं डायट बागेश्वर संयुक्त रूप से	डायट अल्मोड़ा